रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी सरकार

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 23 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र स्पेस टेक नीति-2026 राज्य की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को फ्यूचर रेडी टेक्नॉलोजिकल लीडरशिप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

यह नीति नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेगी. इससे मध्यप्रदेश भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका निभाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य स्पेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप-टेक जैसे उभरते सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करना, उच्च-कौशल रोजगार सृजित करना और मध्यप्रदेश को एक अग्रणी स्पेस टेक हब के रूप में स्थापित करना है. ऐतिहासिक रूप से प्राचीन भारत का ग्रीनविच कहे जाने वाले उज्जैन डोंगला की खगोलीय विरासत को आधुनिक विज्ञान और एआई तकनीक से जोड़कर राज्य को अंतरिक्ष अनुसंधान के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा.

नीति के तहत डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव, प्रोटो टाइप विकास अनुदान, बौद्धिक संपदा आईपी प्रतिपूर्ति सहायता और स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोत्साहित करने के लिए संरचित मैचिंग-फंड मॉडल शामिल किया गया है. नीति का क्रियान्वयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें एमपीएसईडीसी नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी.

पूंजी निवेश पर 40% तक अनुदान

नीति में इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और अनुसंधान एवं विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है. इसके तहत स्पेस टेक मैन्युफैक्चरिंग पार्क, पर्यावरणीय एवं ईएमआई/ ईएमसी परीक्षण सुविधाएं, प्रणोदन एवं वाइब्रेशन परीक्षण प्रयोगशालाएं, क्लीन रूम तथा सैटेलाइट सिमुलेशन, एआई मॉडलिंग और बिग-डेटा एनालिटिक्स के लिए उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग केंद्र स्थापित किए जाएंगे. पात्र स्पेस-ग्रेड अधोसंरचना के लिए 40% तक पूंजी अनुदान और फोकस सेक्टर्स के लिए प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है.

मुख्यमंत्री ने मप्र स्पेस टेक नीति-2026 का शुभारंभ हाल ही में मप्र क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026 में किया था. स्पेस टेक नीति-2026 एक समग्र और एंड-टू-एंड तकनीकी ढांचा प्रदान करती है, जिसमे अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी चरणों का विकास किया जाएगा. नीति में उपग्रह एवं प्रक्षेपण यान निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग,मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस एवं एआई-आधारित उपग्रह डेटा विश्लेषण को शामिल किया गया है.

उड़ीसा से लाई गई युवती के सौदे का आरोप

भिण्ड. जिले के लहार क्षेत्र में युवतियों को बाहर से लाकर सौदाकर बेचने का मामला एक बार फिर सामने आया है. जैतपुरा गांव में उड़ीसा से लाई गई एक युवती को उसकी मर्जी के बिना बेचने का प्रयास किए जाने का आरोप है. ग्रामीणों की सतर्कता और युवती के साहस से यह साजिश नाकाम हो गई. बताया गया है कि उड़ीसा की युवती मदद के लिए असवार थाने पहुंची थी, लेकिन प्रारंभिक स्तर पर उसकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इससे नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे 552 पर चक्काजाम कर दिया. सूचना मिलने पर एसडीओपी प्रवीण त्रिपाठी और तहसीलदार दीपक शुक्ला मौके पर पहुंचे.

ध्वज फहराने के लिये 9 मंत्रियों के जिले बदले

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 23 जनवरी. गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान जिला मुख्यालय में होने वाले मुख्य समारोह में ध्वज फहराने के लिये 9 मंत्रियों के जिले बदल दिये गये हैं.

कुछ मंत्रियों ने प्रभार के बजाय गृह जिले में ध्वज फहराने का आग्रह किया था, उसके बाद मंत्रियों के जिले बदल दिये गये हैं. मंत्री कुंवर विजय शाह अब खंडवा जिले में ध्वज फहराएंगे, वहीं उदयप्रताप सिंह नरसिंहपुर, एदल सिंह कंसाना मुरैना, चेतन्य काश्यप रतलाम, इंदर सिंह परमार पन्ना जिले में ध्वज फहराएंगे. इसी तरह राज्य मंत्रियों में कृष्णा गौर अब सीहोर, धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी दमोह, प्रतिमा बागरी सतना और राधा सिंह सिंगरौली में होने वाले समारोह में मुख्य अतिथि होंगी. वहीं कटनी, दतिया, राजगढ़, मैहर, सीहोर और डिंडोरी में कलेक्टर ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे.

एक नजर में

3 माह से नहीं मिला कर्मचारियों को वेतन

खंडवा. नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है. 2018 से सेवा दे रहे इन कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा की, लेकिन अब वेतन नहीं मिलने से जीवन-यापन संकट में है. कॉलेज प्रशासन का कहना है कि आउटसोर्सिंग के तहत केवल हाउसकीपिंग और सुरक्षा कर्मियों के पद स्वीकृत हैं, जबकि मल्टी-टास्किंग स्टाफ के लिए पद स्वीकृत नहीं होने के कारण नवंबर माह से वेतन रोका गया है.

नेमावर रोड पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौत

इंदौर. नेमावर रोड स्थित प्रभु तौल कांटा के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई. हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई. घटना देर रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है. आजाद नगर थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने बताया कि मृतक की पहचान 51 वर्षीय राजेन्द्र के रूप में हुई है. वह नेमावर रोड पर प्रभु तौल कांटा के पास मौजूद था, तभी ट्रक नम्बर एमपी 09 एचजी 2508 के चालक ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजेन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई.

एमपी में संस्थागत रूप ले चुका भ्रष्टाचार

विशेष संवाददाता

भोपाल,23 जनवरी. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार अब केवल आरोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर एक तरह की खुली स्वीकारोक्ति बन चुका है.

डॉ. नायक ने जिला कलेक्टरों के साथ हुई एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव के कथित बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यदि यह कहा गया है कि प्रशासनिक कार्य बिना पैसे के नहीं होते, तो यह विपक्ष का आरोप नहीं बल्कि राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी से जुड़ा वक्तव्य है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता. उन्होंने कहा कि यह बयान प्रशासन में गहराई तक फैले भ्रष्टाचार को उजागर करता है. उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कलेक्टर स्तर पर काम के लिए रिश्वत देनी पड़ती है, तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद कैसे कर सकता है और राज्य सरकार अब तक क्या कर रही थी. साथ ही उन्होंने भूमि, रेत, शराब, खनन और तबादला-पोस्टिंग से जुड़े मामलों में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए.

डॉ. नायक ने पूरे राज्य में प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जांच, कलेक्टरों के खिलाफ आरोपों की स्वतंत्र जांच, मुख्य सचिव के बयान पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया और प्रशासन को अधिक जन-केन्द्रित बनाने के लिए व्यापक सुधारों की मांग की. डॉ. नायक ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में कई जिलों में कलेक्टरों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने कलेक्टर के तबादले से जुड़े तीन करोड़ रुपये की कथित रिश्वत का हवाला दिया और भिंड में कलेक्टर व भाजपा विधायक के बीच अवैध वसूली को लेकर सार्वजनिक विवाद का उल्लेख किया.

मध्यप्रदेश में 24 घंटे में बारिश का अलर्ट

कोहरे के साथ तापमान में गिरावट की आशंका

भोपाल,23 जनवरी. मध्यप्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है. उत्तर प्रदेश और हिमालयी राज्यों में बर्फबारी के बाद सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अब प्रदेश के मौसम पर भी दिखने लगा है.

अगले 24 घंटे के भीतर प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें होने की संभावना है. मौसम विभाग ने ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है. वहीं भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में नरमी बनी रहेगी. गुरुवार को राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहे. धूप कमजोर होने से गर्मी का असर कम रहा और ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा.

अधिकतम तापमान में ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में सामान्य से 3.4ए डिग्री से 3.9 ए डिग्री तक अधिक रहा, जबकि भोपाल, उज्जैन, रीवा, शहडोल और सागर संभागों में 1.9 ए डिग्री से 3.0 ए डिग्री तक अधिक तापमान दर्ज किया गया. खासकर चंबल संभाग में 5.0 ए डिग्री तक खास वृद्धि दर्ज हुई.उत्तर पाकिस्तान एवं आसपास के क्षेत्र में निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय है, जो 9.4 किमी की ऊंचाई तक विस्तृत चक्रवातीय परिसंचरण के साथ उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर झुका हुआ है.

गणतंत्र दिवस पर चलेंगी 2-2 ट्रिप स्पेशल ट्रेनें

भोपाल, 23 जनवरी. गणतंत्र दिवस के अवसर पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल-हजरत निजामुद्दीन-भोपाल के बीच 02-02 ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है.

यह स्पेशल ट्रेन 24, 25, 26 एवं 27 जनवरी 2026 को संचालित होगी. गाड़ी संख्या 02155 भोपाल से हजरत निजामुद्दीन के लिए 24 एवं 26 जनवरी को रात 8 बजे भोपाल स्टेशन से प्रस्थान करेगी. यह बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट और मथुरा में ठहराव के बाद अगले दिन सुबह 7:20 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी. वापसी में गाड़ी संख्या 02156 हजरत निजामुद्दीन से 25 एवं 27 जनवरी को दोपहर 12 बजे प्रस्थान करेगी. यह मथुरा, आगरा कैंट, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी और बीना में ठहरेगी तथा अगले दिन मध्यरात्रि 00:25 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी. ट्रेन में कुल 18 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 5 एसी तृतीय, 2 इकोनॉमी एसी, 5 स्लीपर, 4 सामान्य, 1 एसएलआरडी और 1 जनरेटर कार शामिल है.

सीएस ने अधिकारियों को दिलायी शपथ

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 23 जनवरी. मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की मंत्रालय सहित सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारियों को शपथ दिलायी.

शपथ में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म,वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गयी.

संध्या-छाया का आज लोकार्पण करेंगे सीएम

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नव निर्मित सर्व सुविधायुक्त, सशुल्क वृद्धाश्रम संध्या-छाया का पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड न. 3 भोपाल में लोकार्पण करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकार्पण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्पर्श मेला-2026 के विजेताओं को पुरस्कार तथा सिंगल क्लिक के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों 327 करोड़ की राशि अंतरित करेंगे.

10 वर्षीय बालक को जंगली जानवर ने बनाया शिकार

पन्ना टाइगर रिजर्व क्षेत्र का मामला

पन्ना ब्यूरो, 23 जनवरी. पन्ना टाइगर रिजर्व से लगे ग्राम पंचायत जरधोबा में गुरुवार देर रात अज्ञात जंगली जानवर ने 10 वर्षीय बालक देव आदिवासी पिता बहादुर आदिवासी पर हमला कर दिया और उसको अपना शिकार बनाकर उसे शेष क्षत विक्षत शरीर को छोड़कर भाग गया है.

देव रोज की तरह अपने परिवार के साथ अपनी फसल की रखवाली के लिए खेत में बनी अस्थाई झोपड़ी में रह रहा था और परिवार के दादा एवं परिजन पास ही दूसरी झोपड़ी में मौजूद थे. तभी देव रात को बाबा को खाना देने जा रहा था तभी रात के अंधेरे में वन्यजीव ने बच्चे पर हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया और क्षत-विक्षत शव को वहीं छोड़कर लापता हो गया. सूचना मिलते ही पन्ना टाइगर रिजर्व का अमला एवं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया. प्रबंधन ने तत्काल आर्थिक सहायता एवं मुआवजे की कार्रवाई शुरू कर दी और देर शाम तक परिजनों को राशि सौंपने की कार्रवाई चल रही थी. पन्ना टाइगर रिजर्व के अंदर संभवत: यह दूसरा मानव शिकार का मामला सामने आया है.

11 करोड़ के फिल्टर प्लांट का भूमिपूजन

देवड़ा बोले—शहर को शुद्ध पानी

मंदसौर, 23 जनवरी. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने रामघाट, मंदसौर में अमृत 2.0 योजना के तहत 11 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन फिल्टर प्लांट, टंकी एवं डिस्ट्रीब्यूशन पाइप लाइन का विधिवत भूमिपूजन किया.

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित सहित नगर पालिका के पार्षदगण और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि नया फिल्टर प्लांट बन जाने पर मंदसौर शहर के सभी परिवारों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा.

उन्होंने बताया कि 48 वर्ष पुराने फिल्टर प्लांट के स्थान पर 11 करोड़ रुपये की लागत से नया प्लांट निर्मित किया जा रहा है, जो नगर पालिका के लिए अत्यंत आवश्यक था. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में अमृत 2.0 योजना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के माध्यम से सरकार पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था कर रही है. सरकार का लक्ष्य है कि देश के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे और 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाया जाए.

लोकभवन कल से 27 जनवरी तक आमजन के लिए खुला

'राजभवन से लोकभवन' प्रदर्शनी आकर्षण

भोपाल, 23 जनवरी. राज्यपाल मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार 25 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक लोकभवन आमजन के लिए खोला जा रहा है.

इस दौरान नागरिक लोकभवन की ऐतिहासिकता, प्राकृतिक सौंदर्य और विशेष सजावट का आनंद ले सकेंगे. केन्द्रीय संचार ब्यूरो और मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा 'राजभवन से लोकभवन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी विशेष आकर्षण रहेगी. राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे लोकभवन का भ्रमण अवश्य करें और लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करें.

यह आयोजन नागरिकों और शासन के बीच संवाद, सहभागिता और विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है. भ्रमण का समय 25 और 27 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक रहेगा. गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को लोकभवन का भ्रमण प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा.

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया मंत्री नड्डा का आत्मीय स्वागत

जबलपुर. उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का जबलपुर पहुंचने पर स्वागत किया. दोनों नेताओं के बीच काफी देर बातचीत हुई.

कार्यशाला | कांग्रेस की विचारधारा न्याय और सामाजिक समरसता पर आधारित

शिविर का उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना

विशेष संवाददाता

भोपाल,23 जनवरी. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को ग्वालियर चंबल संभाग की एक दिवसीय कार्यशाला 'नवसृजन संकल्प' के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण शिविर में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद किया.

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं को वैचारिक दिशा प्रदान करना रहा. कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव एवं सांसद संजना जाटव, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, लाखन सिंह यादव सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष तथा संगठन के अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

प्रशिक्षण शिविर के दौरान संगठन निर्माण, कार्यकर्ताओं की भूमिका, आगामी राजनीतिक चुनौतियों और जन मुद्दों पर सतत संघर्ष को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. पटवारी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के लिए मजबूती से संघर्ष करें और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाएँ.

सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा न्याय में गहराई से निहित है और यह धर्मनिरपेक्षता, प्रेम, करुणा, एकता तथा सामाजिक न्याय के मूल्यों पर आधारित है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाने और अंतिम सांस तक इसे कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है. पटवारी ने बताया कि नवसृजन संकल्प शिविर का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष तक सशक्त बनाना है. उन्होंने पंचायत, वार्ड और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय, संवेदनशील और संघर्षशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि संगठन सर्वोपरि है और मजबूत संगठन के माध्यम से ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है.

भिण्ड कलेक्ट्रेट परिसर में युवक ने की आत्मदाह की कोशिश

भिण्ड. भिण्ड कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया. युवक की इस हरकत से परिसर में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. हालांकि पुलिस और आम नागरिकों की तत्परता से आग लगाने से पहले ही युवक को काबू में कर लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया. घटना के समय कलेक्ट्रेट परिसर में मध्यप्रदेश करणी सेना द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था. इसी दौरान युवक पेट्रोल की बोतल लेकर परिसर में पहुंचा और अपने शरीर पर पेट्रोल उड़ेल लिया.

अधिकारियों ने डीजीपी मकवाणा से की भेंट

विशेष संवाददाता

भोपाल.23 जनवरी. राज्य प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षणरत भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के पाँच अधिकारियों ने शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से सौजन्य भेंट की.

यह संवाद प्रशासनिक अनुभवों के आदान-प्रदान, आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श तथा विभिन्न सेवाओं के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया. डीजीपी मकवाणा ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश पुलिस की संगठनात्मक संरचना, कार्यप्रणाली और दायित्वों की जानकारी दी. उन्होंने कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियानों तथा तकनीक आधारित पुलिसिंग में किए जा रहे नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला. नैतिक आचरण पर जोर देते हुए डीजीपी ने कहा कि सार्वजनिक सेवा में प्रवेश के साथ ही ईमानदारी और निष्पक्षता अनिवार्य हो जाती है. उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा और निष्पक्ष कार्य ही किसी अधिकारी की विश्वसनीयता और जन-विश्वास की वास्तविक आधारशिला होते हैं तथा निस्वार्थ सेवा ही लोकसेवा का सार है.दुर्ग, मुरैना और बस्तर में अपनी प्रारंभिक पदस्थापना के अनुभव साझा करते हुए मकवाणा ने शुरुआती चुनौतियों और निरंतर आत्म-प्रेरणा के महत्व को रेखांकित किया.